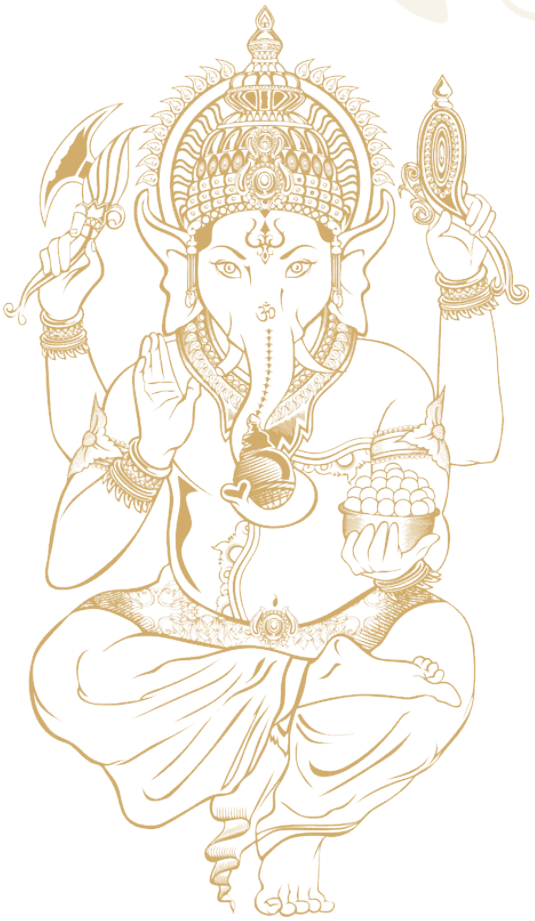

Aman

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121521506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/09/1999	जन्म तिथि	11-12/12/1998
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 10:35:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 12:03:25	जन्म समय(घटी)	49:51:16 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Varanasi
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:38	सूर्योदय	06:33:29
17:58:19	सूर्यास्त	17:08:50
23:50:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 10मा 11दि	06:13:09	वृश्चि	लग्न	तुला	01:40:19	सूर्य 0वर्ष 9मा 4दि
राहु	02:57:21	कन्या	सूर्य	वृश्चि	25:46:23	राहु
01/08/2021	29:11:18	धनु	चंद्र	कन्या	08:18:19	15/09/2016
02/08/2039	17:25:56	वृश्चि	मंगल	कन्या	14:06:49	16/09/2034
राहु 13/04/2024	12:29:46	कन्या	बुध	वृश्चि	07:29:41	राहु 30/05/2019
गुरु 07/09/2026	10:01:17	मेष व	गुरु	कुंभ	25:40:19	गुरु 22/10/2021
शनि 14/07/2029	26:29:27	कर्क	शुक्र	धनु	06:17:20	शनि 28/08/2024
बुध 31/01/2032	22:56:19	मेष व	शनि व	मेष	03:13:07	बुध 18/03/2027
केतु 18/02/2033	18:15:47	कर्क	राहु व	सिंह	00:50:26	केतु 04/04/2028
शुक्र 19/02/2036	18:15:47	मक	केतु व	कुंभ	00:50:26	शुक्र 05/04/2031
सूर्य 12/01/2037	19:26:59	मक व	हर्ष	मक	16:09:53	सूर्य 28/02/2032
चन्द्र 14/07/2038	07:53:31	मक व	नेप	मक	06:32:44	चन्द्र 28/08/2033
मंगल 02/08/2039	14:10:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:31:48	मंगल 16/09/2034

लग्न-चलित

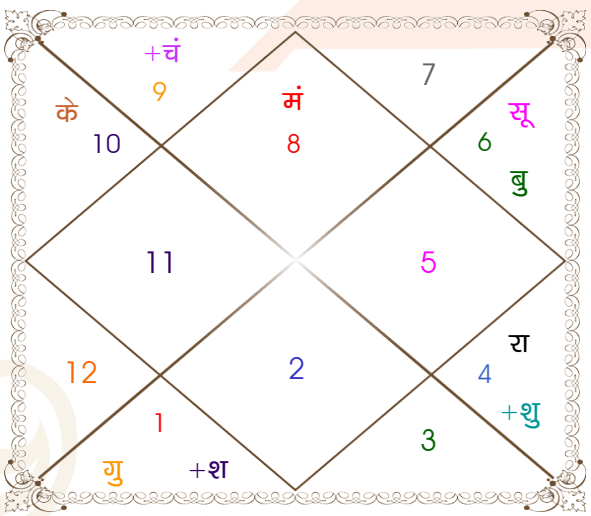

लग्न-चलित

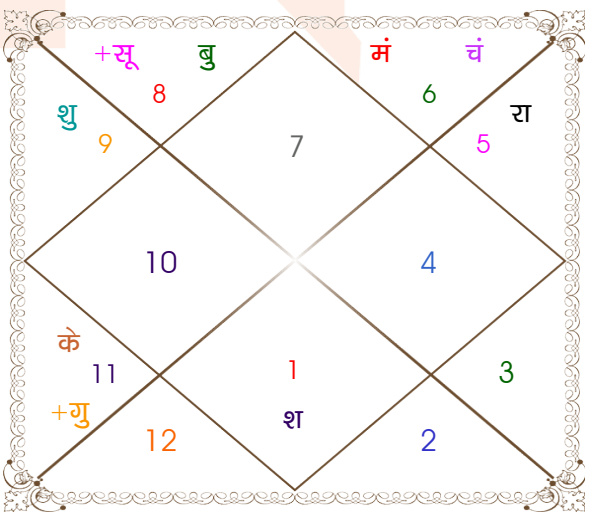

ज्योतिषाचार्य डॉ०आशुतोष मिश्र

ज्योतिषाचार्य डॉ०आशुतोष मिश्र
908/C, Shubh VASTU Shirgaon Badlapur East
+918887540341
grahvanijyotish@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

।उंद का वर्ग मूषक है तथा च्तपलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उंद और च्तपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।उंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।उंद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्तपलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र च्तपलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तपलं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।उंद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।उंद तथा च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

ज्योतिषाचार्य डॉ०आशुतोष मिश्र
ज्योतिषाचार्य डॉ०आशुतोष मिश्र
908/C, Shubh VASTU Shirgaon Badlapur East
+918887540341
grahvanijyotish@gmail.com